



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 277]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मई 7, 1992/वैशाख 17, 1914

No. 277]

NEW DELHI, THURSDAY, MAY 7, 1992/VAISAKHA 17, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

पर्यावरण और वन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 मई, 1992

[भ्रगवली रेंज में विनिश्चित क्षेत्रों में कृषिपथ प्रियाकलाप जो कि प्रदेश में पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे हैं के निर्बंधन के लिये पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 3(1) और 3(2)(फ) और पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5(3)(घ) के अधीन]

का. आ. 319(अ) :—पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3(1) और धारा 3(2)(फ) के अधीन एक अधिसूचना, जिसमें भ्रगवली रेंज में विनिश्चित क्षेत्र में कृषिपथ प्रियाकलापों जो कि प्रदेश में पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे हैं, के निर्बंधन के लिये प्रावधान मांगे गये थे, भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) में (देखिए का.आ. 25(अ), तारीख 9 जनवरी, 1992) प्रकाशित की गई थी;

और केन्द्रीय सरकार ने, प्राप्त सभी आक्षेपों पर सम्यक रूप से विचार कर लिया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के साथ पठित पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (1) और उपधारा (2) के खंड (फ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से उपाखंड सारणी में विनिश्चित क्षेत्रों में उसकी पूर्ण अनुश्रुति के सिवाय निम्नलिखित प्रक्रियाएं और संशोधन करने का निवेदन करती है:-

- (i) किसी नये उद्योग का अवस्थापन, जिसमें विस्तारण अथवा आधुनिकीकरण भी है;
- (ii) (क) सभी खनन संक्रियाएं, जिसमें खनन पट्टों नवीकरण भी है
- (ख) प्रसवधारणों/राष्ट्रीय पार्क और परियोजना शेर के वन माने वाले क्षेत्रों में विद्यमान खनन पट्टे और/या
- (ग) मशहम प्राधिकारी की अनुज्ञा के बिना खनन; कार्य नि जा रहा है।
- (iii) पेड़ों की कटाई;

(iv) किसी निवास एककों का समूह, फार्म हाउस, शोडों, समुदाय केंद्रों, सूचना-केंद्रों का विनिर्माण और ऐसे विनिर्माण से संबद्ध कोई अन्य क्रियाकलाप (जिसमें उनसे संबंधित किसी भवसंरचना के भाग के रूप में सड़कों हैं) ;

(v) विद्युतीकरण (नई प्रेषण लाइनों का बिछाया जाना) ।

2. कोई व्यक्ति जो उक्त क्षेत्रों में कोई उपरोक्त वर्णित प्रक्रियाएं या संक्रियाएं करने की चांछा करता है, एक भावेदन संलग्न भावेदन प्रारूप में (उपाबंध) सचिव, पर्यावरण और वन मंत्रालय, नई दिल्ली को देगा जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ क्षेत्र और प्रस्तावित प्रक्रिया और प्रक्रिया के व्योरे विनिर्दिष्ट किये जायेंगे । भावेदन के साथ एक पर्यावरण समीक्षा कथन और एक पर्यावरणीय प्रबन्ध योजना भी देगा और भावेदन पर विचार करने के लिये ऐसी अन्य सूचनाएं जिनकी केन्द्रीय सरकार द्वारा अपेक्षा की जाए, देगा ।

3. केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण और वन मंत्रालय, उक्त अधिनियम के उपबन्धों का प्रभावी के लिये उसके द्वारा समय-समय पर जारी किये गए मार्गदर्शक सिद्धांतों का ध्यान रखते हुए भावेदन प्राप्ति की तारीख से तीन मास की अवधि के भीतर या जहाँ भावेदक से और कोई जानकारी मांगी गई हो तो ऐसी जानकारी की प्राप्ति की तारीख से तीन मास की अवधि के भीतर अनुज्ञा प्रदान करेगा या उक्त क्षेत्र में पर्यावरण पर प्रस्तावित प्रक्रिया या संक्रिया के सामायात के आधार पर उक्त अवधि के भीतर अनुज्ञा देने से इंकार करेगा ।

4. इस अधिसूचना के अधीन अनुज्ञा की चांछा के लिये कोई भावेदन विहित प्रारूप में (उपाबंध देखिए) सम्यक रूप से भर कर सचिव, पर्यावरण और वन मंत्रालय, पर्यावरण भवन, सी जी ओ गम्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली को भेजा जा सकेगा ।]

[सं. 17/1/91-पी एल/आई ए]

भार. राजामणी, सचिव

सारणी

वे क्षेत्र जहाँ बिना अनुज्ञा की प्रक्रियाओं और संक्रियाओं का निवेश किया गया है ।

(i) इस अधिसूचना की तारीख को हरियाणा राज्य के गुड़गांव जिले और राजस्थान राज्य के झलवर जिले के संबंध में इस अधिसूचना की तारीख को राज्य सरकार द्वारा रखे गए भू-अभिलेख में "वन" के रूप में दर्शाए गए सभी प्रारक्षित वन, संरक्षित वन या कोई अन्य क्षेत्र

(ii) इस अधिसूचना की तारीख को हरियाणा राज्य के गुड़गांव जिले और राजस्थान राज्य के झलवर जिले के संबंध में राज्य सरकार द्वारा रखे गए भू-अभिलेखों में--

(क) गैर मुमकिन पहाड़, या

(ख) गैर मुमकिन राडा, या

(ग) गैर मुमकिन बीहड़, या

(घ) बंजर बीड़, या

(ङ) रंध

के रूप में दर्शाते सभी क्षेत्र ।

(iii) गुड़गांव जिले में इस अधिसूचना की तारीख तक हरियाणा राज्य को लागू पंजाब लैंड प्रोजेक्शन एक्ट, 1900 की धारा 4 और धारा 5 की प्रकृति जारी की गई अधिसूचनाओं के अन्तर्गत आने वाले सभी क्षेत्र ।

(iv) बन्धजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53) के प्रदान की गई सारिका के राष्ट्रीय उद्यान और सारिका प्रसारण के सभी क्षेत्र ।

उपाबंध

भावेदन का प्रारूप

1. (क) प्रस्तावित परियोजना का नाम और पता :

(ख) परियोजना का भवस्थान ।

स्थान का नाम :

जिला, तहसील :

भवस्थिति नक्शा

(ग) परीक्षित भौगोलिक स्थल और प्रस्तावित स्थल के लिए कारण :

2. परियोजना के उद्देश्य :

(क) भूमि की प्रयोजनाएं

हृषि भूमि

अन्य (विनिर्दिष्ट करें)

(ख) (i) प्रणवता, अभिमुखता और तंगता उद्देशित करते हुए क्षेत्र की स्थलाकृति :

(ii) प्रस्तावित भूमि का अपरदनीय बगीकरण :

(ग) 10 किलोमीटर घर्षव्यास के भीतर विद्यमान प्रदूषण स्त्रोत :

(घ) निकटतम राष्ट्रीय उद्यान/प्रभारण्य/जीव मंडल प्रारक्षित/संस्मारक/प्राचीन स्थल/प्रारक्षित वन रेंसे दूरी :

(ङ) खदानों/बारों एरिया के लिए पुनर्वास योजना :

(च) हरित पट्टी योजना :

(छ) प्रतिकरात्मक वनरोपण योजना :

4. जलवायु और वायु क्वालिटी* :

(क) स्थल पर पर्यावरण :

(ख) अधिकतम/न्यूनतम/औसत वार्षिक तापमान:

(ग) परिवेशी वायु क्वालिटी के प्रांकड़ें,

(घ) परियोजना से एस पी एस, नौसों (सी ओ, सी ओ 2, एस ओ 2, एन ओ एकल) के उत्सर्जन की प्रकृति और रंशण :

**5. (क) जन भूतल स्थल पर जल संतुलन और मूलज की उपलब्धता और मांग :

(ख) तीन सीजन में जल की उपलब्धता :

(ग) उपयोग में लाए जाने वाले जल स्त्रोत, प्रतिवर्षी उपभोगताओं की (नदी, झील, नृगम, साजर्बजमिक प्रवाय) के व्योरे :

ब) जल की क्वालिटी ;

(ङ) पिछले 15 वर्षों में जल की मात्रा और क्वालिटी में देखे गए परिवर्तन और वर्तमान में भरण तथा निष्क र्ण के व्योरे

(च) (i) छोड़ें जाने वाले अपशिष्ट जल की मात्रा उसके उपचार व्योरो सहित :

(ii) अभिग्राही जलाधान में अपशिष्ट जल की मात्रा और क्वालिटी

*प्रांकड़ें भारत मौसम विज्ञान विभाग और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से प्राप्त किए गए जा सकते हैं ।

**प्रांकड़ों के लिए भू जल बोर्ड और सिंचाई विभाग से सम्पर्क किया जा सकता है ।

(iii) भूमि पर छोड़े जाने वाले अपशिष्ट जल की मात्रा और भूमि की किस्म :

6. मालिङ बैस्ट

(क) उत्पादित ठोस अपशिष्ट की प्रकृति और मात्रा :

(ख) ठोस अपशिष्ट के व्ययन की गति :

7. शोर और कंपन

(क) शोर और कंपन के स्त्रोत :

(ख) परिवेश शोर का स्तर :

(ग) प्रस्तावित शोर और कंपन निबंधन उपाय :

(घ) निबंधन उपायों के साथ प्रस्तावित समस्या, यदि कोई हो :

8. प्रदाय का स्त्रोत उपदर्शित करते हुए विद्युत की प्रवेश :

यदि बड़ा विद्युत यूनिट प्रस्तावित है तो पूरे पर्यावरण संबंधी ह्योरे पृथक रूप में दिए जाएंगे :

9. अभिनियोजित किए जाने वाला कुल श्रमिक बल, उसके ह्योरे सहित : क्षेत्र में स्थानीय स्वास्थ्य समस्याएं प्रस्तावित स्वास्थ्य प्रणाली

10. (क) ग्रामों की संख्या और विस्थापित की जाने वाली जनसंख्या :

(ख) पुनर्वास मास्टर प्लान :

11. जोखिम निश्चिन्नि रिपोर्टें

12. (क) पर्यावरण समाधान निर्धारण रिपोर्टें : समय-समय पर एम. ई. एक. द्वारा जारी किए गए मार्गदर्शकों के अनुसार तैयार की गई ।

(ख) पर्यावरण संबंधी प्रकल्प योजना :

(ग) साक्ष्यता की विस्तृत रिपोर्टें :

घ वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के अर्धील वन भूमि के लिए प्रस्ताव जिसमें फायदा लागत विशलेषण है :

13. राज्य प्रवृषण निबंधन बोर्ड और/या पर्यावरण और वन राज्य विभाग की सिफारिशें :

आवेदक के हस्ताक्षर

आवेदक के नाम, तारीख और पूरे डाक पते सहित

टिप्पण : क. सब संख्या 3(ग), 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 12 (ख) और 12 (ग) पैडों की कटाई को लागू नहीं है ।

ख. सब संख्या 3 (ग), 4, 7, 11 निवास एककों के समूह, कृषि प्लॉटों, सामुदायिक क्षेत्रों के निर्माण और ऐसे किसी भी निर्माण जिसमें सड़कों भी सम्मिलित हैं से संबंधित अन्य क्रिया कलापों को लागू नहीं है ।

ग. सब संख्या 3 (ख), 3 (ग), 3 (ङ), 3 (घ), 4, 5, 6, 7, 9, 12 (क) और 12 (ख) विद्युतिकरण से लागू नहीं हैं ।

घ. खनन, उद्योग, उष्मीय शक्ति, परिवहन परियोजनाओं की वशा में सभी मर्दे प्रस्तुत करनी हैं ।

ङ. ऊपर किसी बात के होते हुए भी ऐसी कोई भी सब (सब) पर जो लागू नहीं होती बिचार किया जाता है कारणों के सहित उपदर्शित की जा सकती है ।

MINISTRY OF ENVIRONMENT & FORESTS NOTIFICATION

New Delhi, the 7th May, 1992.

(Under Section 3(1) and 3(2) (v) of the Environment Protection Act, 1986 and rule 5(3) (d) of the Environment (Protection) Rules, 1986 restricting certain activities in specified area of Aravalli Range which are causing Environmental Degradation in the Region.

S.O. 319(E).—Whereas a Notification under section 3(1) and section 3(2) (v) of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) inviting objections against restricting certain activities in specified area of Aravalli Range which are causing Environmental Degradation in the Region was published in the Gazette of India, Part II-Section 3 Sub-section (ii) vide S.O. 25(E) dated 9th January, 1992;

And whereas all objections received have been duly considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clause (v) of sub-section (2), of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986), read with rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, the Central Government hereby prohibits the carrying on of the following processes and operations, except with its prior permission, in the areas specified in the Table appended to this Notification :

(i) Location of any new industry including expansion/modernisation;

(ii) (a) All new mining operations including renewals of mining leases.

(b) Existing mining leases in sanctuaries/national Park and areas covered under Project Tiger and/or

(c) Mining is being done without permission of the competent authority.

(iii) Cutting of trees;

(iv) Construction of any clusters of dwelling units, farms houses, sheds, community centres, information centres and any other activity connected with such construction (including roads a part of any infrastructure relating thereto);

(v) Electrification (laying of new transmission lines).

2. Any person who desires to undertake any of the above mentioned processes or operations in the said areas, shall submit an application to the Secretary, Ministry of Environment and Forests, New Delhi, in the attached application form (Annexure) specifying, inter alia, details of the area and the proposed process or operation. He shall also furnish an 'Environment Impact Statement' and an 'Environmental Management Plan' along with the application and such other information as may be required by the Central Government for considering the application.

3. The Central Government in the Ministry of Environment and Forests shall, having regard to the guidelines issued by it from time to time for giving effect to the provisions of the said Act, grant permission within a period of three months from the date of receipt of the application or where further information has been asked for from the applicant, within a period of three months from the date of the receipt of such information, or refuse permission within the said time on the basis of the impact of the proposed process or operation on the environment in the said area.

4. For seeking permission under this Notification, an application in the prescribed form (see Annexure), duly filled in, may be submitted to the Secretary, Ministry of Environment and Forests, Parvavaran Bhavan, CGO Complex, Lodi Road, New Delhi.

[No. 17/191-PL/IA]

R. RAJAMANI, Secy.

TABLE

Areas where carrying on of processes and operations without permission is prohibited

- (i) all reserved forests, protected forests or any other area shown as "forest in the land records maintained by the State Government as on the date of this notification in relation to Gurgaon District of the State of Haryana and the Alwar District of the State of Rajasthan.
- (ii) all areas shown as :—
 - (a) Gair Mumkin Pahar, or
 - (b) Gair Mumkin Rada, or
 - (c) Gair Mumkin Behed, or
 - (d) Banjad Beed, or
 - (e) Rundh,
 in the land records maintained by the State Government as on the date of this notification in relation to Gurgaon district of the State of Haryana and the Alwar district of the State of Rajasthan.
- (iii) all areas covered by notifications issued under section 4 and 5 of the Punjab Land Preservation Act, 1900, as applicable to the State of Haryana in the district of Gurgaon up to the date of this Notification.
- (iv) all areas of Sariska National Park and Sariska Sanctuary notified under the Wildlife (Protection) Act, 1972 (53 of 1972).

ANNEXURE

APPLICATION FORM

1. (a) Name & address of the project proposed:
- (b) Location of the project:
Name of the Place :
District, Tehsil :
Location Map. :

(c) Alternate sites examined and the reasons for the site proposed:

2. Objectives of the project .

3. (a) Land Requirement :

Agriculture land :

Other specify) :

(b) (i) Topography of the area indicating gradient, aspect & altitude.

(ii) Erodability classification of the proposed land.

(c) Pollution sources existing within 10 km. radius.

(d) Distance of the nearest National Park|Sanctuary|Biosphere Reserve|Monuments|heritage site|Reserve Forest :

(e) Rehabilitation plan for Quarries|borrow areas :

(f) Green belt plan.

(g) compensatory afforestation plan.

4. Climate & Air Quality*:

(a) Windrose at site:

(b) Max.|Min.|Mean annual temperature.

(c) Ambient air quality data:

(d) Nature & concentration of emission of SPM, Gases (CO, CO₂, SO₂, NO_x etc.) from the project:

5.** (a) Water balance at site surface and ground water availability and demand :

(b) Lean season water availability:

(c) Water source to be tapped with details of competing users (Rivers, lake, Ground, Public supply):

(d) Water Quality:

(e) Charges observed in quantity and quality of water in the last 15 years and present charging and extraction details:

(f) (i) Quantum of waste water to be released with treatment details :

(ii) Quantum & Quality of water in the receiving water body :

(iii) Quantum of waste water to be released on land and the type of land:

6. Solid Wastes :

(a) Nature & quantity of solid wastes generated:

(b) Solid waste disposal method:

7. Noise & vibrations:

(a) Sources of noise & vibrations:

*Data may be obtained from India Meteorological Department and State Pollution Control Board.

**Ground water Board and the Irrigation Deptt. Deptt. may be contacted for data.

- (b) Ambient noise level:
- (c) Noise & vibration control measures proposed:
- (d) Subsidence problem, if any, with control measures:
8. Power requirement indicating source of supply; complete environmental details to be furnished separately, if captive power unit proposed:
9. Total labour force to be deployed with details of:
- Endemic health problems in the area.
- Health care system proposed:
10. (a) Number of families and population to be displaced:
- (b) Rehabilitation Master Plan :
11. Risk assessment report:
12. (a) Environmental Impact Assessment Report:
- (b) Environmental Management Plan : Prepared as per Guidelines of MEF issued from time to time.
- (c) Detailed Feasibility Report:

(d) Proposal for diversion of Forest land under Forest (Conservation) Act, 1980 including Benefit Cost analysis:

13. Recommendations of the State Pollution Control Board and/or the State Department of Environment & Forests.

Signature of the Applicant
Alongwith name, date and
full Postal address.

N.B.:

- A. Item Nos. 3(c), 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 12(b) and 12(c) are not applicable to cutting of trees
- B. Item Nos. 3(c), 4, 7, 11 are not applicable to construction of cluster of dwelling units, farm sheds, community centre and any other activity connected with such construction including roads.
- C. Item Nos. 3(b), 3(c), 3(e), 3(f), 4, 5, 6, 7, 9, 12(a) & 12(b) are not applicable to electrification.
- D. All items to be furnished in case of mining, industry thermal power, transport projects
- E. Notwithstanding the above, any item(s) considered not applicable may be so indicated alongwith reasons.

